

30 $\frac{7}{24}$

पसावली में ही बकुलाग फरीकेंग दण्डिय
वहस उमापद्म रुकी गयी हुकीगमी
वहस पर मगन विष्णु पसावली में
उपलब्ध वास्तविकता का इवलेकन
विष्णु कातः उमापद्मीन कायेवकाई
के विवेक पर इयापिंग का
पाकड विष्णु जाला है कि अलावाद
के विस्तारण लक इवलेकन के वरिष्ठ
अभिज्ञ का विवेक की यथास्थिति
बनाये रखे। पसावली केवल गुकार
होकर अलावाद के लक्षण ही